पाठ 14. शरत् बाबू

पाठ का परिचय

एक था लड़का – शरारती, सीधा और भोला। बचपन में उसके बड़े शौक थे। साथियों के साथ सदैव घूमता-फिरता था। एक बार वह मछली पकड़ने की बंसियाँ लेने के लिए लठैत नयन सरदार के पीछे-पीछे दूसरे गाँव पहुँच गया था। वापसी में रास्ते में डाकुओं ने भी उन्हें ललकारा था। बालक केवल शरारती नहीं था बल्कि उसे पढ़ने का भी शौक था। खुद तो पढ़ता ही था, साथ ही घर के दूसरे बच्चों को भी पढ़ाता था। सारी रात पढ़ते-पढ़ते बीत जाती थी पर उसे पता न चलता था। इस लड़के का नाम था शरत्चंद्र। शरत् बाबू अपने गाँव के स्कूल में ही पढ़ते थे। फिर उनकी माँ उन्हें अपने पिता के यहाँ भागलपुर ले गईं। भागलपुर से वे देवानंदपुर लौटे। यहाँ वे हुगली ब्राँच स्कूल में पढ़ने लगे। यहीं से उन्होंने लिखना शुरू किया लेकिन सभी रचनाएँ फाड़ दीं। उन्हीं दिनों उन्होंने एक कहानी लिखी थी, 'बड़ी दीदी' जिसे एक मित्र ने उन्हें बिना बताए एक पत्रिका में छपवा दी। लोगों ने समझा कि हो न हो महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर ने छद्म नाम से यह कहानी लिखी है। शरत् बाबू को बहुत दिन बाद इसका पता चला। झिझक खुल गई और यह सिलसिला जीवन भर चलता रहा। जीवन के अंतिम पड़ाव में शरत् बाबू जिगर के कैंसर से पीड़ित हो गए। यह मौत का बुलावा था। 16 जनवरी सन् 1937 को वे कभी न जागने के लिए सो गए।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

जिस प्रकार सोना तपकर और भी निखरता है, उसी प्रकार संघर्ष करने से जीवन में सफलता अवश्य मिलती है, संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। श्रेष्ठ बनने के साथ ही साथ सहयोगी और उदार बनने का भी प्रयत्न करना चाहिए।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से मौन वाचन करने को कहें। मौन वाचन के दौरान बच्चे उन अंशों को रेखांकित करें जो उन्हें अधिक प्रभावित करते हैं। पाठ पढ़ने के बाद रेखांकित पंक्तियों पर अपने विचार व्यक्त करें। यह भी बताएँ कि वे पंक्तियाँ उन्हें क्यों प्रभावित करती हैं। मौन वाचन की समाप्ति पर अध्यापक/अध्यापिका कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों को जो पंक्तियाँ समझ में नहीं आईं उन्हें भी समझाएँ। पाठ पर आधारित कुछ एक वाक्य में उत्तर दिए जाने वाले प्रश्न बच्चों से पूछें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्न प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- क्या इससे पहले शरत्चंद्र का नाम उन्होंने सुना था? कहाँ और कब?
- शरत् साहित्य के बारे में वे क्या जानते हैं?
- शरत्चंद्र की कोई कृति उन्होंने पहले पढ़ी?
- हिंदी साहित्य के प्रति वे कितनी रुचि रखते हैं?
- शरत्चंद्र के अलावा उन्होंने किसी अन्य साहित्यकार की रचनाएँ पढ़ी हैं?
- उनका प्रिय साहित्यकार कौन है और क्यों?